सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

मूल्य ₹ 3/-

● वर्ष: 11 ● अंक: 117 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 31 मई, 2025

माता-पिता का सम्मान किया जाना चाहिए और बड़ों का भी, जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता को मजबूत किया जाना चाहिए और सत्य बोला जाना चाहिए।
-सम्राट अशोक

मुंबई क्वालिफायर-2 में पंजाब... 7 | गुजरात में भाजपा को डराएगी... 3 | सपा के ही कामों के फीते काट... 2

'सिंदूर दान' योजना से बीजेपी पलटी, खबरों को बताया गलत

देश ही नहीं दुनिया में हो रही थी फजीहत

- » सोशल मीडिया पर खिल्ली उड़ाते मीम्स
- » कांग्रेस बोली- सिंदूर दान सिर्फ पति कर सकता है कोई दूसरा नहीं
- » तृणमूल कांग्रेस ने भी इसे विभाजनकारी योजना बताया
- » मीडिया रिपोर्टस में बीजेपी ने 9 जून से घर-घर सिंदूर बांटने की बनाई थी योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जबर्दस्त फजीहत, राजनीतिक विरोध और सोशल मीडिया पर खिल्ली उड़ाते मीम्स ने बीजेपी को सिंदूर बांटने वाली स्कीम से हाथ पीछे खींचने के लिए मजबूर कर दिया है। तीन दिनों की मीडिया चकल्लस के बाद भारतीय जनता पार्टी पार्टी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने ऐसी किसी योजना से ही इंकार कर दिया और खबरों को झूठा करार दिया है।

अब सवाल यही उठता है कि देश की इज्जत और अस्मिता से जुड़े इस मुददे पर पार्टी पहले क्यों नहीं चेती? क्या वाकई में ऐसी कोई योजना नहीं थी या फिर जन विरोध के बीच पार्टी ने बैक गियर लगाया। जबकि यूपी की योगी सरकार ने तो बाकायदा आपरेशन सिंदूर को अपनी सामूहिक विवाह योजना में शामिल करते हुए दुल्हनों को सिंदूरदानी देने का एलान किया। हालांकि यहां भी उसका विरोध हुआ और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सवाल उठाये कि सिंदूर दान करने का अधिकार सिर्फ पति को होता है और सिंदूर भारतीय संस्कृति में हमेशा पति के घर से आता है। ऐसे में सरकार का सिंदूर देना गलत है।

सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़

सोशल मीडिया पर सिंदूर दान योजना को लेकर मीम्स और व्यंग्यात्मक टिप्पणियों की भरमार है। यूजर्स ने इसे सिंदूर से वोट तक की राजनीति करार दिया। सिंदूर पालिटिक्स हैशटैग ट्रेंड कर रहा है जिसमें यूजर्स इस पहल की आलोचना कर रहे हैं। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत को अंतरराष्ट्रीय समर्थन न मिलने को लेकर केंद्र सरकार की विदेश नीति की आलोचना की। पार्टी ने इसे कूटनीतिक विफलता बताया है। वहीं बीजेपी ने सिंदूर दान योजना की खबरों को अफवाह बताया। अमित मालवीय ने विपक्ष पर फर्जी खबरें फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि पार्टी ऐसी किसी योजना पर विचार नहीं कर रही है।

भारतीय मीडिया का बस अंतिम पायदान पर आना बाकी

क्या वाकई में सिंदूर बांटने की खबरें भ्रमक थी? क्या वास्तव में सरकार ऐसी किसी योजना पर काम नहीं कर रही थी? क्या विपक्ष ने इस प्रकार की खबरों को प्लांट कराया? यह वह सवाल है जिनके उत्तर मिलना लाजमी है। आखिर कौन वह लोग है जो इस प्रकार की खबरों को हवा में उड़ा रहे हैं। देश विदेश में लागातार भारतीय मीडिया की साख गिर रही है और विश्वसनीयता के मामले में बस इंडियन मीडिया को अंतिम पायदान पर आना बाकी रह गया है।

महिलाओं के अपमान का कोई हक नहीं : काकोली घोष

वहीं तृणमूल कांग्रेस सांसद काकोली घोष ने पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा पर निशाना साधते हुए कहा है कि पीएम मोदी विभिन्न राज्यों में जाकर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बात कर रहे हैं लेकिन सैनिकों के शौर्य के बारे में उन्होंने नहीं बताया। सैनिकों को सैल्यूट नहीं किया। वहीं, देशभर के सांसद दुनिया भर में घूमकर जब पाकिस्तान के खिलाफ बोल रहे हैं उन्हें यहां पर आकर महिलाओं का अपमान करने का कोई हक नहीं है।

कांग्रेस ने सिंदूरदानी पर उठाया सवाल

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने यूपी सरकार की सामूहिक विवाह योजना के तहत दुल्हनों को उपहार में सिंदूरदानी दिए जाने के फैसले पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा है कि सिंदूर की आड़ में सरकार जो छिपाना चाहती है वह सच सामने आना चाहिए। सिंदूरदान कौन करता है? पति करता है दूसरा कोई नहीं कर सकता। सिंदूर पति की तरफ से जाता है उसके परिवार से दिया जाता है। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत लड़कियों को उपहार के तौर पर सिंदूरदानी देने का फैसला किया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' नाम राजनीति से प्रेरित है : ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद विरोधी अभियान का नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' रखने की आलोचना की और कहा कि ऑपरेशन का नाम राजनीति से प्रेरित है। ऑपरेशन सिंदूर' नाम उनके दिमाग की उपज है। यह राजनीति से प्रेरित है। मैं यह नहीं कहना चाहती थी, खासकर तब जब बहुपक्षीय प्रतिनिधिमंडल कई देशों का दौरा कर रहे हैं और भारत का रुख बता रहे हैं। लेकिन आज प्रधानमंत्री राजनीतिक प्रचार के मकसद से पश्चिम बंगाल आए हैं, मुख्यमंत्री ने कहा। इससे पहले, अलीपुरद्वार जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने राज्य के सामने मौजूद कई मुद्दों पर पश्चिम बंगाल सरकार और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की आलोचना की।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री पर अलीपुरद्वार में अपने संबोधन के जरिए विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा, पहले उन्होंने (पीएम मोदी) खुद को चाय बेचने वाला बताया। उसके बाद उन्होंने खुद को गार्ड बताया। अब वह यहां सिंदूर बेचने आए।

सिंदूर का अपमान कर रहे हैं बीजेपी वाले : संजय राउत

शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर हमलावर हैं। उद्धव ठाकरे के नेता संजय राउत ने आरोप लगाया है कि पीएम मोदी और बीजेपी ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिरण कर रहे हैं और भारतीय सेना और हमारे सैनिकों का श्रेय अपनी पार्टी को दे रहे हैं। संजय राउत का कहना है, हमारे देश के प्रधानमंत्री ही हर राज्य में जाकर ऑपरेशन सिंदूर पर राजनीति करने में लगे है। यह ऑपरेशन हमारी वायु, थल और जल सेना ने पूरा किया है, लेकिन इसका श्रेय लेने की होड़ नेताओं में लगी हुई है इसमें सबसे आगे खुद पीएम मोदी हैं। संजय राउत ने कहा कि हिन्दू धर्म में सिंदूर का पवित्र स्थान है। आप बीजेपी के कार्यकर्ताओं को सिंदूर लेकर महिलाओं के घर नहीं भेज सकते। यह सिंदूर का अपमान होगा।

सपा के ही कामों के फीते काट रहे हैं पीएम मोदी : अखिलेश यादव

» मोदी के कानपुर दौरे पर सपा प्रमुख का तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कानपुर दौरे को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अब भी पूर्ववर्ती सपा सरकार द्वारा कराए गए विकास कार्यों के ही फीते काट रही है।

अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा कि अब तो कितने बरस भाजपा के शासनकाल के हैं बीते, फिर भी देखो सपा के ही कामों के ये काट रहे हैं फीते। सपा के काम, जनता के नाम-पनकी तापीय विस्तार योजना, नेयवेली लिग्नाइट पावर प्लांट, कानपुर मेट्रो। अखिलेश यादव ने तंज सकते हुए कहा कि हमने रखी जिसकी नींव, वो गा रहे हैं उसके गीत। कानपुर में लाल इमली के बारे में भाजपा सरकार की कोई योजना है क्या? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के कानपुर में 47,600 करोड़ रुपये से अधिक की 15 वृहद विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मोदी ने चुन्नीगंज से कानपुर सेंट्रल तक कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के नये भूमिगत खंड का उद्घाटन किया। इस खंड में पांच नये भूमिगत स्टेशन- चुन्नीगंज, बड़ा चौराहा, नवीन मार्केट, नयागंज और कानपुर सेंट्रल शामिल हैं। कानपुर मेट्रो के इस विस्तार के साथ लाल इमली, जेड स्क्वायर मॉल, ग्रीन पार्क स्टेडियम, परेड ग्राउंड, बुक मार्केट और सोमदत्त प्लाजा जैसे महत्वपूर्ण स्थल इस मेट्रो से सीधे जुड़ जाएंगे। एक बयान के मुताबिक, वर्तमान में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-कानपुर से मोतीझील तक नौ स्टेशन परिचालन में हैं। इस नये खंड से शहर में मेट्रो से यात्रा अधिक सुविधाजनक, तेज और सुरक्षित हो जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने घाटमपुर में 660 मेगावाट की बिजली इकाई और पनकी में एक तापीय बिजली परियोजना का भी उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं से उत्तर प्रदेश और पड़ोसी राज्यों के लिए स्थिर तथा पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, पनकी ऊर्जा संयंत्र से कल्याणपुर तक दो नये रेलवे पुलों का भी उद्घाटन किया गया।

यूपी विस चुनाव 2027 में अखिलेश यादव बनेंगे मुख्यमंत्री : अवध ओझा

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भाजपा, सपा, कांग्रेस, बसपा और आम आदमी पार्टी समेत अन्य क्षेत्रीय दल अपनी पूरी तैयारी में जुट गए हैं। कुछ दिनों पहले ही आप सांसद संजय सिंह के साथ अवध ओझा लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किए थे। दोनों नेताओं ने भाजपा सरकार की यूपी और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला था। इसी बीच आप नेता अवध ओझा का एक वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है, जोकि बागपत जिले के फुल्हार गांव का बताया जा रहा है। इस वीडियो में अवध ओझा एक बड़ा दावा कर रहे हैं। सोशल मीडिया में वायरल हो रहे वीडियो में अवध ओझा एक दावा कर रहे हैं। वह कह रहे हैं कि यूपी विधानसभा चुनाव 2027 में अखिलेश यादव फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे। यह फुल्हार गांव में दावा करके जा रहा हूं। अवध ओझा ने कहा कि यूपी चुनाव 2027 में समाजवादी पार्टी (अखिलेश यादव) की 210 सीटों के आसपास आएंगी।

बिहारी किसी के झांसे में नहीं आते : तेजस्वी

» बोले राजद नेता- पीएम का जरूरी मुद्दों पर मुंह खुला ही नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया कि उन्होंने हाल ही में अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान बिहार को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों पर चुप्पी साधे रखी, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्वास्थ्य भी शामिल है। पूर्व उपमुख्यमंत्री, जो कोलकाता में हैं, जहां उनकी पत्नी ने इस सप्ताह की शुरुआत में अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया, ने एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से अपनी आलोचना व्यक्त की।

तेजस्वी ने एक्स पर लिखा कि बिहार में 20 वर्षों की एनडीए सरकार द्वारा दिया हुआ रिकॉर्डतोड़ बेरोजगारी, गरीबी और पलायन है। नीति आयोग के अनुसार शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग क्षेत्र में बिहार सबसे फिसड्डी है। विधि व्यवस्था सबसे बदतर है। बिहार की प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति निवेश देश में सबसे कम है। विकास और प्रगति के अधिकांश मानकों में देश में बिहार सबसे नीचे है लेकिन बिहार की 20 वर्षों की एनडीए सरकार और 11 वर्षों की केंद्र सरकार जनहित के इन ज्वलंत मुद्दों पर कभी चर्चा ही नहीं करती एयर ना ही करना चाहती है। राजद नेता ने आगे लिखा कि प्रधानमंत्री केवल चुनावी वर्ष में बिहार का दौरा कर 2015 से चलती आ रही परियोजनाओं एवं घोषणाओं का अनेकों बार शिलान्यास और उद्घाटन कर उसी को बारंबार दोहराते रहते है। 2015 से यही सिलसिला चलता आ रहा है। प्रधानमंत्री जी, यह बिहार है, बिहारी इस तरह के झाँसे में नहीं आते! वो अच्छे से जानते है कि कौन कितना झूठ बोल रहा है? चेहरे पर मास्क लगाए प्रधानमंत्री की एक तस्वीर साझा करते हुए यादव ने कैप्शन में लिखा, मुंह खुला ही नहीं।

वादों के फूल खिलेंगे लेकिन जनता के सवालों के जवाब नहीं मिलेंगे : सिंगार

» नेता प्रतिपक्ष ने पीएम मोदी के दौरे पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। राजधानी भोपाल में देवी अहिल्याबाई होलकर के 300वीं जयंती पर 31 मई को महिला सशक्तिकरण को लेकर विशाल सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिरकत करेंगे। कार्यक्रम से पहलेनेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सियासी हमला बोला है।

सिंघार ने कहा है कि पीएम मोदी आ रहे हैं, महिला सशक्तिकरण की बात कही जा रही है। वादों के फूल खिलेंगे लेकिन प्रदेश की जनता के सवालों के जवाब नहीं मिलेंगे। नेता प्रतिपक्ष ने पूछे कई सवाल-- स्वसहायता समूहों को आजीविका से नहीं जोड़ा गया है। आजीविका के लिए क्या योजना ला रहे हैं? लाडली बहनों को तीन हजार कब मिलेंगे? देश में महिला आरक्षण कब लागू होगा? हाईकोर्ट में सिर्फ 3 प्रतिशत महिला जज क्यों? मप्र पुलिस में 33 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी कब होगी? मेट्रो प्रोजेक्ट लेट होने से सरकार को यू करोड़ों का नुकसान हुआ, ये कर्ज कैसे चुकाया जाएगा, क्या मेट्रो टिकिट मंहगा होगा ?अच्छे दिन में मंहगाई क्यों बढ़ रही?

विजय शाह को माफ करेंगे या सजा देंगे

नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि प्रदेश सरकार मंत्री विजय शाह ने जो अपमान किया है उसके लिए विजय शाह को माफ करेंगे या सजा देंगे स्थिति स्पष्ट की जाए। किसानों की आय दोगुना क्यों नहीं कर पाए, स्कूलों में शौचालय और पानी की व्यवस्था क्यों नहीं। पोर्टल से जानकारियां हटाई जा रही हैं। जानकारियां अपडेट क्यों नहीं हो रही है, आरटीआई को लेकर नीति स्पष्ट करना पड़ेगी। उज्ज्वला योजना के खाली सिलेंडर छतों पर क्यों रखे हुए हैं। लोकतंत्र की एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम कर सकें इसकी क्या योजना है?

पीएम की रैली से बंगाल सरकार के खिलाफ 'दुर्भावनापूर्ण' अभियान चलाया गया : ममता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर हिंसा, भ्रष्टाचार और अराजकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाने के एक दिन बाद, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया कि राजनीति से प्रेरित होकर उनकी सरकार के खिलाफ एक ''दुर्भावनापूर्ण और झूठा अभियान'' चलाया गया।

उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार में बृहस्पतिवार को एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने मुर्शिदाबाद दंगों और शिक्षक भर्ती घोटाले का हवाला दिया तथा दावा किया कि राज्य के लोग ''निर्मम सरकार'' को हटाने के लिए बेताब हैं। बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, ''कल उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार में, राजनीति से प्रेरित होकर एक दुर्भावनापूर्ण और झूठा अभियान चलाया गया।'' उन्होंने यह भी दावा किया, ''यह एक ऐसा अभियान था, जिसके तहत अलीपुरद्वार जिले के लोगों के लिए हमारी सरकार द्वारा किए गए महत्वपूर्ण विकास कार्यों को कमतर बताने और मिटाने का प्रयास किया गया।

सपा नेता आजम खां को झटका, अर्जी खारिज

» रामपुर अनाथालय भूमि मामले में गवाहों को वापस बुलाने का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। रामपुर में एक विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने समाजवादी पार्टी (सपा) नेता आजम खान की कानूनी टीम द्वारा दायर तीन अर्जियों को खारिज कर दिया है, जिसमें 2019 के रामपुर अनाथालय भूमि विवाद से संबंधित मामलों में अभियोजन पक्ष के गवाहों को वापस बुलाने की मांग की गई थी। एक वकील ने यह जानकारी दी।

इन मामलों में वक्फ की जमीन पर बने मकानों को जबरन गिराने, भैंस और बकरियां चुराने सहित लूटपाट के आरोप भी शामिल हैं। ये 2019 में खान के खिलाफ दर्ज एक दर्जन मामलों में शामिल हैं। जिला सरकारी वकील सीमा सिंह राणा के अनुसार, मुकदमा वर्तमान में अभियोजन पक्ष के साक्ष्य चरण में है। उन्होंने कहा कि जब अभियोजन पक्ष अपना मामला पेश कर रहा था, तब खान के वकीलों ने पहले ही जिरह किये जा चुके गवाहों को वापस बुलाने का अनुरोध करते हुए तीन अलग अर्जियां दायर कीं। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष ने इस कदम पर आपत्ति जताई और अदालत ने तीनों अर्जियों को खारिज कर दिया। वकील ने बताया कि मामले की अगली सुनवाई दो जून को होगी।

गुजरात में भाजपा को डराएगी कांग्रेस व आप

राज्य में उपचुनाव का ऐलान, आप-कांग्रेस गठबंधन खत्म?

» अकेले चुनाव लड़ेगी आप
» कांग्रेस से गठबंधन की अटकलों पर विराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात में दो सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर बिगुल बज चुका है। दोनों सीटों पर 19 जून को मतदान होगा। जिसको लेकर सभी प्रमुख दल अपनी चुनावी तैयारियों में जुट गए हैं। बता दें कि आम आदमी पार्टी ने दोनों सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का एलान किया है। वहीं उपचुनाव की तारीखों का एलान से पहले कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के कयास लगाए जा रहे थे। लेकिन अब सभी अटकलों और कयासों पर विराम लग गया है। आप ने दोनों सीटों पर उम्मीदवारों के उतारने की तैयारी शुरू कर दी है और नेता प्रत्येक सीटों पर जाकर सर्वे कर रही हैं कि किस नेता की जनता के बीच में अधिक पकड़ है, उसके अनुसार आप अपने नेताओं को टिकट देकर मैदान में उतारेगी। कि गुजरात की सियासत एक बार फिर गर्माने वाली है।

क्योंकि विसावदर और कड़ी विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। निर्वाचन आयोग ने 25 मई को घोषणा की कि इन दोनों सीटों पर 19 जून 2025 को मतदान होगा। 23 जून को वोटों की गिनती होगी। इस उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, और आम आदमी पार्टी के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है.। खासकर विसावदर सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले की चर्चा जोरों पर है। क्योंकि आप ने पहले ही अपने उम्मीदवार के रूप में गोपाल इटालिया को मैदान में उतार दिया है। जबकि कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इंडिया गठबंधन के बावजूद इस सीट पर अकेले लड़ेगी। इस बीच बीजेपी भी अपनी जीत का दम भर रही है। वहीं यह उपचुनाव न केवल गुजरात की सियासत में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है बल्कि यह भविष्य के विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए भी एक बड़ा संदेश दे सकता है।

बीजेपी के लिए गुजरात उसका अभेद्य किला

बीजेपी के लिए गुजरात उसका अभेद्य किला रहा है। 1995 से लगातार सत्ता में रहने वाली बीजेपी ने 2022 के चुनाव में 156 सीटें जीतकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया था। विसावदर और कड़ी में उपचुनाव जीतकर बीजेपी न केवल अपनी संख्या को और मजबूत करना चाहेगी। बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहेगी कि आप और कांग्रेस का उभार उसके गढ़ को कमजोर न करे। जानकारी के मुताबिक बीजेपी विसावदर में भूपेंद्र भयानी को फिर से उतार सकती है। जो पहले आप के टिकट पर जीते थे और अब बीजेपी में हैं। वहीं यह रणनीति आप के वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश हो सकती है।कड़ी सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है.बीजेपी स्थानीय नेताओं पर दांव लगा सकती है। पार्टी ने पहले भी उपचुनावों में अपनी संगठनात्मक ताकत का इस्तेमाल कर जीत हासिल की है और इस बार भी वह अपने विशाल कार्यकर्ता आधा और संसाधनों का उपयोग करेगी।

उपचुनाव में दिखेगा बीजेपी का दावा

ये उपचुनाव बीजेपी के लिए अपनी ताकत को और मजबूत करने का अवसर हैं जबकि कांग्रेस और आप के लिए यह अपनी साख बचाने और बीजेपी के गढ़ में सेंध लगाने का मौका है। खासकर आप के लिए यह उपचुनाव एक बड़ा लिटमस टेस्ट है। क्योंकि पार्टी ने 2022 में गुजरात में पहली बार पांच सीटें जीतकर अपनी मौजूदगी दर्ज की थी। वहीं अब विसावदर सीट पर गोपाल इटालिया जैसे प्रमुख चेहरे को उतारकर आप ने साफ कर दिया है कि वह बीजेपी और कांग्रेस को कड़ी टक्कर देने के मूड में है।

विसावदर सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले की संभावना

विसावदर सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले की संभावना ने सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। आप ने गोपाल इटालिया को उम्मीदवार बनाकर अपनी रणनीति साफ कर दी है। गोपाल इटालिया आप के गुजरात इकाई के पूर्व संयोजक और संयुक्त महासचिव हैं। भ्रष्टाचार और स्थानीय मुद्दों पर मुखर रहे हैं उनकी उम्मीदवारी से आप को युवा और स्थानीय कार्यकर्ताओं के बीच मजबूत आधार मिलने की उम्मीद है। दूसरी ओर, बीजेपी और कांग्रेस ने अभी तक अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, लेकिन दोनों पार्टियां जीत के प्रति आश्वस्त हैं।

कांग्रेस का फैसला चौंकाने वाला है

कांग्रेस का इंडिया गठबंधन में आप के साथ होने के बावजूद अकेले चुनाव लड़ने का फैसला चौंकाने वाला है। इससे पहले 2024 के लोकसभा चुनाव और वाव विधानसभा उपचुनाव में आप ने कांग्रेस के पक्ष में अपना उम्मीदवार नहीं उतारा था। जिससे दोनों दलों के बीच सहयोग की उम्मीद जगी थी लेकिन विसावदर में कांग्रेस का अकेले उतरना और आप का गोपाल इटालिया को टिकट देना इस बात का संकेत है कि दोनों दल इस सीट पर अपनी ताकत आजमाना चाहते है। यह स्थिति बीजेपी के लिए फायदेमंद हो सकती है क्योंकि विपक्षी वोटों का बंटवारा उनकी जीत को आसान बना सकता है।

गुजरात की 182 सदस्यीय विधानसभा पर होगी लड़ाई

गुजरात की 182 सदस्यीय विधानसभा में बीजेपी का दबदबा लंबे समय से कायम है। 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 156 सीटें जीतकर ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। जबकि कांग्रेस को केवल 17 सीटें मिलीं। और आप को 5 सीटों पर संतोष करना पड़ा। वहीं इस प्रचंड बहुमत के बावजूद, विसावदर और कड़ी सीटों पर उपचुनाव की नौबत आई है। विसावदर सीट दिसंबर 2023 से खाली है। जब आप के तत्कालीन विधायक भूपेंद्र भयानी ने इस्तीफा देकर बीजेपी का दामन थाम लिया था। वहीं, कड़ी सीट (जो अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है) फरवरी 2024 में बीजेपी विधायक करसन सोलंकी के निधन के बाद रिक्त हुई।

कांग्रेस के लिए यह उपचुनाव अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने का अवसर

वहीं कांग्रेस के लिए यह उपचुनाव अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने का अवसर है। 2022 के चुनाव में केवल 17 सीटें जीतने वाली कांग्रेस गुजरात में लगातार कमजोर हुई है। पार्टी ने इस उपचुनाव की तैयारी पहले से शुरू कर दी थी और उम्मीदवारों के चयन के लिए पर्यवेक्षकों का एक पैनल भी गठित किया है। कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने दावा किया है कि पार्टी दोनों सीटों पर मजबूत स्थिति में है। कांग्रेस की रणनीति स्थानीय मुद्दों जैसे किसानों की समस्याएं, बिजली की कमी और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर केंद्रित हो सकती है। खासकर विसावदर में जहां पाटीदार समुदाय का प्रभाव है। कांग्रेस इस समुदाय को लुभाने की कोशिश कर सकती ह, हालांकि आप के साथ गठबंधन न करने का फैसला कांग्रेस के लिए जोखिम भरा हो सकता है, क्योंकि वोटों का बंटवारा बीजेपी को फायदा पहुंचा सकता है।

आप के लिए विसावदर उपचुनाव एक सुनहरा अवसर

आप के लिए विसावदर उपचुनाव एक सुनहरा अवसर है 2022 में इस सीट पर भूपेंद्र भयानी ने आप के टिकट पर जीत हासिल की थीऔर अब गोपाल इटालिया के जरिए पार्टी इस जीत को दोहराना चाहेगी। आप की रणनीति शिक्षा, स्वास्थ्य, और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर केंद्रित है। जो दिल्ली में उसकी सफलता का आधार रहे हैं, गोपाल इटालिया की छवि एक आक्रामक और जमीनी नेता की है। जो स्थानीय मुद्दों को जोर-शोर से उठाते हैं। आपको बता दें कि आप ने हाल ही में वडोदरा की करजण नगर पालिका में बीजेपी के कई पार्षदों को अपनी ओर खींचकर अपनी ताकत दिखाई है। यह कदम दर्शाता है कि आप गुजरात में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। हालांकि कांग्रेस के साथ

गठबंधन न होने से आप को अपने दम पर वोट जुटाने की चुनौती होगी। निर्वाचन आयोग के अनुसार नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख 2 जून 2025 है। जबकि 3 जून को नामांकन पत्रों की जांच होगी। उम्मीदवार 5 जून तक अपने नामांकन वापस ले सकते हैं। यह तारीखें सभी दलों के लिए रणनीति बनाने और प्रचार में तेजी लाने का अवसर देती हैं। मतदान केंद्रों पर गोपनीयता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए आयोग ने कड़े इंतजाम किए हैं और मतदाताओं को ईवीएम या बैलेट पेपर के जरिए वोट डालने की सुविधा होगी। विसावदर और कड़ी उपचुनाव गुजरात की सियासत में एक महत्वपूर्ण मोड़ ला सकते हैं। बीजेपी के लिए यह अपनी अजेय छवि को बनाए रखने का मौका है। जबकि कांग्रेस और आप के लिए यह बीजेपी के गढ़ में सेंध लगाने का अवसर है। खासकर विसावदर में त्रिकोणीय मुकाबला इस उपचुनाव को और रोचक बनाता है। आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन की कमी से बीजेपी को फायदा मिल सकता है। लेकिन अगर आप और कांग्रेस अपने-अपने वोट बैंक को मजबूत करते हैं। तो यह बीजेपी के लिए चुनौती बन सकता है। गोपाल इटालिया जैसे मजबूत उम्मीदवार और आप की आक्रामक रणनीति से विसावदर में मुकाबला कांटे का हो सकता है। गुजरात के विसावदर और कड़ी उपचुनाव न केवल स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण हैं। बल्कि ये 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए भी एक बड़ा संदेश दे सकते हैं बीजेपी अपनी ताकत को और मजबूत करना चाहेगी। जबकि कांग्रेस और आप अपनी साख बचाने और बढ़ाने की कोशिश में हैं। त्रिकोणीय मुकाबले और गठबंधन की अनुपस्थिति ने इस उपचुनाव को और दिलचस्प बना दिया है।. वहीं अब देखना यह है कि 19 जून को मतदाता किसे अपना समर्थन देते हैं और 23 जून को नतीजे क्या रंग लाते हैं यह तो आना वाला वक्त तय करेगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मौसम की सटीक जानकारी से मिल सकता है लाभ

मानसून का संशोधित पूर्वानुमान जारी करते हुए मानसून सीजन में सामान्य से अधिक और जून में सर्वाधिक बारिश की संभावना जताई है। यह पूरे देश के लिए खुशखबर है। वहीं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने पुणे स्थित भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (बीएफएस) का शुभारंभ किया, जो केवल भारत बल्कि वैश्विक मौसम विज्ञान के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।

विज्ञान की तरक्की का लाभ हर क्षेत्र में हो रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने भी काफी प्रगति की है। अब तो ऐसी तकनीकी आ गई है कि मौसम का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। इस तकनीकि हम आने वाले प्राकृतिक आपदाओं से बचने की पहले से तैयारी कर सकते हैं। तटीय इलाकों में इसका लाभ भी कई बार मिला है। अब बारिश की मात्रा अनुमान भी कृषि क्षेत्र के लाभकारी हो सकता है। हम से मौसम के इस पूर्वानुमानों से लाभ उठा सकते हैं। मानसून का संशोधित पूर्वानुमान जारी करते हुए मानसून सीजन में सामान्य से अधिक और जून में सर्वाधिक बारिश की संभावना जताई है। यह पूरे देश के लिए खुशखबर है। वहीं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने पुणे स्थित भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (बीएफएस) का शुभारंभ किया, जो केवल भारत बल्कि वैश्विक मौसम विज्ञान के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।

बीएफएस पहले से उपयोग में लाए जा रहे ग्लोबल फोरकास्ट सिस्टम (जीएफएस) से कहीं अधिक उन्नत है। ऐसे में इसके मौसम के सटीक अनुमानों का लाभ लोगों को मिल सकेगा। दुनिया में कुछ दशक पहले तक चरम मौसमी घटनाएं दुर्लभ और अप्रत्याशित ही होती थी लेकिन पिछले कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन के कारण ऐसी घटनाओं में तेज से बढ़ोतरी हुई है। इनकी तेजी से बढ़ती आवृत्ति बड़े संकट की ओर इशारा करती है। ऐसे में बीएफएस की अधिक सटीकता और स्थानीय (जिला और पंचायत तक) स्तर तक मौसम की भविष्यवाणी बेहद उपयोगी साबित होंगी। भारी बारिश, तूफान और अन्य चरम मौसमी घटनाओं की भविष्यवाणी से लोग आपदा प्रबंधन की बेहतर तरीके से तैयारी कर सकेंगे। सबसे अच्छी बात है कि यह प्रणाली पूरी तरह स्वदेशी है। अधिक तेजी से गणना और भंडारण क्षमता वाले अर्का सुपरकंप्यूटर ने इस प्रणाली को और मजबूत बना दिया है जो पहले के सुपरकंप्यूटर की तुलना में आंकड़ों को अधिक तेजी से प्रोसेस करता है और पूर्वानुमानों को कुछ ही घंटों में बेहद सटीकता से उपलब्ध करा देता है। हमारे देश की आधी से ज्यादा आबादी कृषि पर और कृषि मौसमी उतार-चढ़ाव पर निर्भर है। ऐसे में किसानों को मौसम की सटीक जानकारी समय पर मिल जाएंगी तो फसल बोने, सिंचाई करने, कटाई करने की योजना और अगली फसलों की तैयारी बेहतर तरीके से कर सकेंगे। वहीं सुमद्री हलचल की चेतावनी से मछुआरों की जान और आजीविका की रक्षा हो सकेगी।हालांकि इस प्रणाली के लाभों को लोगों तक पहुंचाने के लिए जागरूकता और बुनियादी ढांचे का विकास जरूरी है। स्थानीय स्तर पर यह जानकारी अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक पहुंच सके, इसके लिए स्थानीय और सरल भाषा में पूर्वानुमानों को प्रसारित करना होगा। इसमें टीवी, रेडियो और सोशल मीडिया का लाभ उठा सकते हैं। वहीं मोबाइल अलर्ट और आइएमडी के ऐप का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

फटाफट खबरों के दौर में भरोसे का सवाल

डॉ. अर्चना शर्मा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने सम्पूर्ण मीडिया परिदृश्य को एक नया रूप दे दिया है। आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के युग में समाचारों की रफ्तार तो बेशक बढ़ी है, लेकिन साथ ही फर्जी खबरों और भ्रामक वीडियो की बाढ़ भी आई है। आज आधुनिक तकनीक की मदद से फर्जी वीडियो बनाना इतना सरल है कि दर्शकों के लिए सही-गलत में अंतर करना मुश्किल हो गया है, ऐसे में अखबारों ने अपनी गहन रिपोर्टिंग और तथ्यपरकता से जनता के बीच भरोसे की पहचान बनाई है। डिजिटल मीडिया और टीवी समाचार चैनलों की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि ने समाचारों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। जबकि नयी पीढ़ी का मानना है कि टीवी समाचार चैनलों और यूट्यूब चैनलों ने अखबारों की पाठक संख्या में गिरावट पैदा की है। लेकिन उनकी यह सोच निराधार ही कही जाएगी। अक्सर देखने में आया है कि टीआरपी की दौड़ में कुछ टीवी चैनल गलत समाचार भी प्रसारित कर रहे हैं।

जिससे चैनलों की विश्वसनीय पर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में अख़बार विश्वसनीयता और गहराई के कारण जनता के बीच भरोसे का प्रतीक बने हैं। हाल के वर्षों में देखा गया कि कई टीवी न्यूज़ चैनल टीआरपी की दौड़ में तथ्यों की पुष्टि किए बिना सनसनीखेज़ खबरें चलाते हैं। इसके लिए कई बार इन टीवी समाचार चैनलों को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से भी नोटिस मिले। हाल ही में भारत-पाकिस्तान तनाव और 'ऑपरेशन सिन्दूर' को लेकर प्रसारित खबरों का विश्लेषण करें तो सामने आता है कि करीब 80 प्रतिशत खबरें बिना तथ्यात्मक पुष्टि प्रसारित की गईं। इससे दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति बढ़ी व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में भी भारत के समाचार चैनलों की किरकिरी हुई। कुछ चैनलों ने तो सुरक्षा बलों से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां भी प्रसारित कर दीं, जिससे उनके अभियान और जान पर खतरा उत्पन्न हो गया। टीवी चैनलों की जल्दबाज़ी केवल राजनीतिक खबरों तक ही सीमित नहीं रही।

सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारियों का प्रसारण, जिसमें हमारी सेनाओं की रणनीति और ऑपरेशन के विवरण शामिल थे, सुरक्षा बलों के लिए खतरा पैदा कर सकती थी। मसलन,पहलगाम हमले की गलत तारीख पर रिपोर्टिंग करके टीवी चैनलों ने बहुत से लोगों के दुख का मजाक

बनाया था। जिसमें एक बहुचर्चित इमोशनल वीडियो नौसेना अधिकारी विनय नरवाल और उनकी पत्नी का था, जो टीवी चैनल्स के मुताबिक पहलगाम हमले से पहले रिकॉर्ड किया गया था। इस प्रकार के और भी बहुत उदाहरण हैं, जिनमें समाचार चैनल्स ने न केवल राष्ट्रीय समाचार रिपोर्टिंग बल्कि अंतर्राष्ट्रीय समाचार रिपोर्टिंग में भी अपनी विश्वनीयता खो दी। अधिकांश टीवी चैनल 'सबसे तेज़' बनने की होड़ में तथ्यात्मक पत्रकारिता से समझौता कर बैठते हैं। तथाकथित डिबेट शो में शोर-शराबे और राजनीतिक एजेंडा ने खबरों की गंभीरता प्रभावित की। वर्ष 2023 में मणिपुर हिंसा के दौरान भी कई चैनलों ने बिना जांच के पुराने और फर्जी वीडियो प्रसारित किए, जिससे स्थिति और भड़क गई। बाद में स्पष्ट हुआ कि वे वीडियो फर्जी थे और उनका मणिपुर से कोई संबंध नहीं था। उधर, यूट्यूब जैसे स्वतंत्र डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने रिपोर्टिंग को लोकतांत्रिक बनाया है, लेकिन साथ ही खबरों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता पर सवाल भी खड़े किए। चूंकि इन प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारण के लिए किसी औपचारिक सत्यापन प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होती, इसलिए फर्जी खबरें और भ्रामक विश्लेषण आसानी से दर्शकों तक पहुंच जाते हैं। इसके विपरीत अखबारों में हर खबर कई स्तरों पर जांच-परख के बाद ही प्रकाशित की जाती है। संवाददाता की फील्ड रिपोर्टिंग के बाद डेस्क और संपादकीय टीम मिलकर स्रोतों की जांच करती है और खबर की गहराई से पुष्टि करती है। प्रिंट मीडिया ने वर्षों की परंपरा, सटीकता और जिम्मेदार रिपोर्टिंग के बल पर खुद को एक विश्वसनीय माध्यम के रूप में बनाए रखा है। अख़बारों की सबसे बड़ी ताकत है-फैक्ट चैकिंग और सम्पादकीय प्रक्रिया।

अख़बारों में एक खबर प्रकाशित करने से पहले कई स्तरों पर तथ्यों की पुष्टि होती है। सबसे पहले पत्रकार अपनी सूझबूझ से कोई समाचार भेजता है, फिर डेस्क की निगरानी के बाद संपादकीय निगरानी से उस समाचार के स्रोत की जांच और गहराई से विश्लेषण अख़बारों को विश्वसनीय माध्यम बनाते हैं। उदाहरण के लिए, दैनिक ट्रिब्यून जैसे अख़बारों ने बार-बार दिखाया है कि वे गहराई से रिपोर्टिंग कर पाठकों तक सही जानकारी पहुंचाते हैं। यही कारण है कि प्रिंट मीडिया आज भी गंभीर पाठकों की पहली पसंद बना है।

बढ़ती आबादी को ताकत बनाने की जरूरत

मोहन गुरुस्वामी

चिंता की बात है कि देश में जनसंख्या की विशालता से मिलने वाला लाभ कहीं आबादी से बना दु:स्वप्न बनकर न रह जाए। लंबे समय से जनसंख्या के आंकड़ों के हिसाब से मिलने वाले फायदे-नुकसानों के बारे में बोलता-लिखता आया हूं। राजनेता और उनके दलाल यह जाने बिना कि शब्दों का अर्थ क्या है, इसको लपक कर दोहराने लगते हैं। चुनौतियां हमारे सामने हैं। वह भारत, जिसकी जनसंख्या 134 करोड़ है, अब विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला राष्ट्र है। लेकिन भारत हमेशा इतना बड़ा नहीं था, जितना कि आज है, चाहे यह जनसंख्या हो या अर्थव्यवस्था। वर्ष 1921, जिसे 'विभाजन का बड़ा साल' कहा जाता है, भारत के जनसांख्यिकीय इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इस साल मृत्यु दर में काफी गिरावट आई और जनसंख्या वृद्धि की दर अपेक्षाकृत स्थिर रहने वाली लीक से हटकर तेजी से बढ़ने होने की शुरुआत हुई। वर्ष 1801-1921 के बीच जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार काफी धीमी रही, लगभग 20 करोड़ से 22 करोड़ होना। लेकिन 1921 के बाद से हमारी जनसंख्या बढ़ोतरी वास्तव में आज आकाश को छूने की कगार पर है।

जनसंख्या में वृद्धि 1981 में 2.22 प्रतिशत की उच्चतम दर को छू गई थी, उसके बाद से बढ़ोतरी दर घटने की ओर है। एक सदी की अवधि के अंदर, भारत की जनसंख्या में छह गुना इजाफा हुआ। अनुमान बताते हैं कि भारत में पिछले सौ वर्षों में लगभग 200 मिलियन लोग जुड़े और वर्तमान सदी के मध्य तक 200 मिलियन और लोग जुड़ने की उम्मीद है। भिन्न अनुमानों का मध्य आंकड़ा बताता है कि वर्ष 2005-50 के बीच, भारत की जनसंख्या में लगभग 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। वृद्ध जनसंख्या (65 वर्ष से अधिक उम्र वाले) का अनुपात 2050 में 5 प्रतिशत से बढ़कर 14.5 प्रतिशत हो जाएगा, संख्या के मुताबिक कहें तो इनकी गिनती 5.7 करोड़ से बढ़कर 24 करोड़ हो जाएगी। उन्नत देशों की बुजुर्ग आबादी के अनुभवों के आधार पर हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि वृद्धों की बढ़ती संख्या के लिए हमें कराधान, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल संबंधित अपनी नीतियों में समुचित योजनाएं बनाने की आवश्यकता पड़ेगी। वृद्धों की संभाल पर खर्चा अधिक होता है।

चिंता का एक अन्य बड़ा पहलू है बढ़ता जनसंख्या घनत्व। अनुमान है कि जहां यह 2005 में 345 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था, 2050 में बढ़कर 504 प्रति वर्ग किलोमीटर हो जाएगा। बढ़ते शहरीकरण के चलन के साथ इसे जोड़कर देखने पर, आने वाले सालों में समस्याओं में इजाफे का संकेत मिलता है। साल 2000 में, कुल आबादी का केवल 28.7 प्रतिशत या लगभग 30 करोड़ लोग शहरी क्षेत्रों में बसे हुए थे; अब अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या कुल आबादी की 40.7 प्रतिशत या लगभग 60 करोड़ हो जाएगी। इस भारी वृद्धि में विशेष रूप से मध्यम और कामकाजी वर्ग की बढ़ती आर्थिक शक्ति की भूमिका है।

इसके मद्देनजर, पर्याप्त रूप से उन्नत आवास एवं शहरी बुनियादी ढांचा, मसलन, जल, सीवरेज, जन सुविधाएं, तीव्र गति परिवहन, यातायात प्रबंधन एवं पार्किंग, ऊर्जा और दूध एवं दुग्ध उत्पाद, प्रसंस्कृत खाद्य व बागवानी उत्पाद जैसे भोज्य पदार्थों की अधिक खपत और उनके कुशल वितरण के लिए प्रावधान करने की आवश्यकता पड़ेगी।अनुमान है कि 15-64 वर्ष आयु वर्ग की गिनती जो कि 2005 में कुल आबादी का 62 प्रतिशत थी, 2050 में बढ़कर लगभग 67.3 प्रतिशत हो जाएगी, संख्या के हिसाब से कहें, तो 70 करोड़ से 112 करोड़ होना। फिलहाल भारत में हर साल कामकाजी वर्ग में 1 करोड़ 20 लाख लोग जुड़ रहे हैं। इस आयु वर्ग में वृद्धि 2030 तक तेज रहेगी, जिसके बाद से इसमें शुरू हुई गिरावट इस स्तर पर पहुंच जाएगी कि 2045-50 के बीच शायद ही कोई वृद्धि हो, जो कि 15-64 जनसंख्या समूह की संख्या में स्थिरीकरण और उसके बाद से इसके बुढ़ाते जाने का संकेत है। यह चक्र प्राकृतिक है क्योंकि जनसंख्या वृद्धि में ठहराव आता रहता है। अगले तीन दशकों की तात्कालिक चुनौती है, पहले करोड़ों नौकरियों का सृजन करना और फिर श्रमिकों की उपलब्धता में तेज गिरावट से निपटना। जैसा कि हाल-फिलहाल चीन को अनुभव करना पड़ रहा है। जनसांख्यिकीय परिभाषा में जनसंख्या स्थिरीकरण का अर्थ है एक निश्चित समयावधि में जन्म और मृत्यु दर एक समान रहना। अधिक बारीकी से कहें तो, यदि किसी आबादी की प्रजनन दर 2.1 हो जाए, तो उसे जनसंख्या स्थिर होने की संज्ञा दी जाती है। एनपीपी 2000 में परिकल्पना की गई थी कि वर्ष 2045 तक भारत को जनसंख्या स्थिरीकरण बनाना पड़ेगा। यह लक्ष्य इस धारणा पर आधारित है कि देश को वर्ष 2010 तक जनसंख्या का प्रतिस्थापन स्तर टीएफआर 2.1 तक ले आना चाहिए था। हम यह पाने में चूक गए। हालांकि टीएफआर के हालिया आंकड़े 2045 तक भी इस लक्ष्य की प्राप्ति न हो पाने का संकेत दे रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय अब जनसंख्या स्थिरीकरण पाने के वास्ते वर्ष 2060 को एक संभावित लक्ष्य के रूप में देखने लगा है। यहां पर यह उल्लेख करना उचित होगा कि जनसंख्या स्थिरीकरण, प्रतिस्थापन प्रजनन क्षमता (यानी जितने मरें, उतने पैदा हों) बनने के बहुत बाद जाकर बनता है। वर्ष 1996 में योजना आयोग द्वारा गठित 'जनसंख्या पर तकनीकी समिति' द्वारा किए गए एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया था कि भारत 2026 तक प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन दर प्राप्त कर पाएगा।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

बेल का शरबत पीने से शरीर को ठंडक मिलती है। इसे अंग्रेजी में वूड एप्पल के नाम से जाना जाता है। इसमें प्रोटीन, बीटा-कैरोटीन, थायमीन, राइबोफ्लेविन और विटामिन सी जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। गर्मी के मौसम में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, ऐसे में बेल का शरबत पीने से आप कई बीमारियों से अपना बचाव कर सकते हैं। लेकिन पथरी, डायबिटीज, थायराइड से संबंधित मरीजों को बेल का शरबत पीने से बचना चाहिए।

बेल की तासीर ठंडी होती है, इसलिए गर्मी के मौसम में इसका शरबत पीने से शरीर को तुरंत ठंडक मिलती है।

पाचन क्रिया को सुधारे

हमारे शरीर का पाचन तंत्र बहुत ही अहम भूमिका निभाता है, और यदि यह सही तरीके से काम न करे तो पूरे शरीर पर उसका असर पड़ता है। खराब आहार, तनाव, और अनहेल्दी लाइफस्टाइल की वजह से हमारे पेट की समस्याएं बढ़ने लगी हैं। अगर हम अपनी डाइट में कुछ प्राकृतिक और घरेलू उपाय शामिल करें तो यह हमें सेहतमंद बनाए रख सकता है। ऐसे में बेल शरबत काफी कारगर हो सकता है जिसका खट्टा-मीठा स्वाद न केवल आपकी प्यास बुझाता है, बल्कि बेल में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो पाचन क्रिया को दुरुस्त रखने में सहायक है। यह कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है और आंतों को स्वस्थ रखता है। गर्मी में अक्सर पाचन संबंधी समस्याएं हो जाती हैं, ऐसे में बेल का शरबत एक प्राकृतिक और प्रभावी उपाय हो सकता है। लेकिन बेल का शरबत अधिक मात्रा में पीने से पेट में भारीपन या हल्का दर्द महसूस हो सकता है, ऐसे लोगों को डॉक्टर से परामर्श लेनी चाहिए।

गर्मियों में बहुत ही फायदेमंद है बेल का शरबत

गर्मी का मौसम आते ही शरीर को ठंडक पहुंचाने वाले पेय पदार्थों की तलाश शुरू हो जाती है। इस मौसम में बेल का शरबत एक लोकप्रिय और पारंपरिक विकल्प है, जो न केवल स्वादिष्ट होता है बल्कि सेहत के लिए भी कई तरह से फायदेमंद होता है। बेल अपने शीतल गुणों के कारण गर्मियों में विशेष रूप से पसंद किया जाता है। गर्मी में बेल का शरबत पीने के फायदे अनेक है। बेल की तासीर ठंडी होती है, इसलिए गर्मी के मौसम में इसका शरबत पीने से शरीर को तुरंत ठंडक मिलती है। तपती धूप में बाहर निकलने से पहले बेल का शरबत पीने से शरीर का तापमान संतुलित रहता है और ताजगी महसूस होती है। बेल के शरबत पीने के कई फायदे होते हैं, मगर कुछ लोगों के लिए ये शरबत नुकसानदायक हो सकता है। जिन लोगों को बेल से एलर्जी है, उन्हें ये शरबत पीने से बचना चाहिए नहीं तो खुजली जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

बनाने की विधि

सबसे पहले बेल को तोड़कर उसका सारा गूदा निकाल लें। अब एक बड़े बर्तन में बेल का गूदा और पानी मिलाकर करीब एक घंटे के लिए रख दें। भीगने के बाद गूदे को अच्छी तरह मैशर की सहायता से अच्छी तरह मैश कर लें ताकि रेशे और बीज निकल जाएं। इसके बाद छानने वाली छलनी बेल के जूस को छान लें। अब आप इसमें आइस क्यूब और चीनी मिलाएं। तैयार है बेल का शरबत। फ्रिज में रखकर ठंडा-ठंडा सर्व करें। बता दें बेल के गूदे को पानी में भिगोकर रखने से उसका सारा गूदा अच्छी तरह घुल जाता है। आप इसे मिक्सी या जूसर में भी बना सकते हैं।

शरीर को रखे हाइड्रेटेड

गर्मियों के मौसम में चिलचिलाती धूप हालत खराब कर देती है और व्यक्ति लू की चपेट में आने से नहीं बच पाता। ऐसे में लू से बचने और गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने के लिए खानपान का खास ख्याल रखा जाता है। खानपान अच्छा हो तो लू से बचा जा सकता है और गर्मी से तबीयत खराब नहीं होती है। गर्मी में पसीने के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। बेल के शरबत में पानी की अच्छी मात्रा होती है, जो शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है।

हंसना मना है

टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? भोलू- मैम, मुझे बर्ड फ्लू हो गया था। टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। भोलू- आपने इंसान समझा ही कहां। रोज तो मुर्गा बनाती हो..

कंजूस बाप- (बेटे से) मेरी ख्वाहिश है कि तू बड़ा होकर वकील बने। बेटा- (हैरान होकर) पर क्यों? बाप- ताकि मेरा काला कोट तेरे काम आ जाए...

डॉक्टर- चश्मा किसके लिए बनवाना है? बब्लू- टीचर के लिए। डॉक्टर- पर क्यों? बब्लू- क्योंकि उन्हें मैं हमेशा गधा ही नजर आता हूं...

पत्नी- सुनो जी, तुम चुकंदर खाया करो। पति- पर क्यों? पत्नी- इसे खाने से खून अच्छा लाल और गाढ़ा होता है। पति- अच्छा, अब तुम्हें खून भी High Quality का पीना है...

एक दिन हाथी की बाइक खराब हो गयी एक चिन्ति ने उसे अपनी स्कूटी पर लिफ्ट दे दी, रस्ते में चिन्ति हाथी से बोली- ओए थोडा झुक कर बैठ पापा ने देख लिया तो बवाल हो जायेगा.....

इस मतलबी दुनिया में, एक पान वाला ही है, जो पूछ कर चुना लगाता है!

कहानी | लकड़ी का कटोरा

एक वृद्ध व्यक्ति अपने बहु- बेटे के यहां शहर रहने गया। वृद्ध के इस उम्र में उसके हाथ कांपते थे और दिखाई भी कम देता था। छोटे से घर में पूरा परिवार और उसका चार वर्षीया पोता एक साथ डिनर टेबल पर खाना खाते थे। लेकिन वृद्ध व्यक्ति को खाने में बड़ी दिक्कत होती थी। कभी मटर के दाने उसकी चम्मच से निकल कर फर्श पे बिखर जाते तो कभी हांथ से दूध छलक कर मेजपोश पर गिर जाता। बहु-बेटे एक-दो दिन ये सब सहन करते रहे पर अब उन्हें अपने पिता की इस काम से चिढ होने लगी। हमें इनका कुछ करना पड़ेगा, लड़के ने कहा। बहु ने भी हां में हां मिलाई और बोली, आखिर कब तक हम इनकी वजह से अपने खाने का मजा किरकिरा करते रहेंगे और हम इस तरह चीजों का नुक्सान होते हुए भी नहीं देख सकते। अगले दिन जब खाने का वक्त हुआ तो बेटे ने एक पुरानी मेज को कमरे के कोने में लगा दिया, अब बूढ़े पिता को वही अकेले बैठ कर अपना भोजन करना था। यहां तक कि उनके खाने के बर्तनों की जगह एक लकड़ी का कटोरा दे दिया गया था, ताकि अब और बर्तन ना टूट-फूट सकें। जब कभी - कभार उस बुजुर्ग की तरफ देखते तो उनकी आंखों में आंसू दिखाई देते। यह देखकर भी बहु-बेटे का मन नहीं पिघलता,वो उनकी छोटी से छोटी गलती पर ढेरों बातें सुना देते। वहां बैठा बालक भी यह सब बड़े ध्यान से देखता रहता, और अपने में मस्त रहता। एक रात खाने से पहले बालक को उसके माता -पिता ने ज़मीन पर बैठ कर कुछ करते हुए देखा, तुम क्या बना रहे हो? पिता ने पूछा, बच्चे ने मासूमियत के साथ उत्तर दिया- अरे मैं तो आप लोगों के लिए एक लकड़ी का कटोरा बना रहा हूं, ताकि जब मैं बड़ा हो जाऊं तो आप लोग इसमें खा सकें। और वह पुनः अपने काम में लग गया। पर इस बात का उसके माता -पिता पर बहुत गहरा असर हुआ, उनके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला और आंखों से आंसू बहने लगे। वो दोनों बिना बोले ही समझ चुके थे कि अब उन्हें क्या करना है। उस रात वो अपने बूढ़े पिता को वापस डिनर टेबल पर ले आये, और फिर कभी उनके साथ अभद्र व्यवहार नहीं किया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा।

वृषभ

परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। निवेश शुभ रहेगा। तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है।

मिथुन

भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा।

कर्क

जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह

आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी।

कन्या

नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं।

तुला

घर-बाहर प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। आज व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। कार्य पर ध्यान दें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

वृश्चिक

यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई राजकीय बाधा हो सकती है।

धनु

संतान के नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। नौकरीपेशा को अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी।

मकर

निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है, धैर्य रखें। परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी।

कुम्भ

सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय धीमा चलेगा।

मीन

थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं तब कामयाब होती हूं जब मैं अपनी इक्वेलिटी और बैलंस पा लेती हूं : दीपिका

फिल्म स्पिरिट से दीपिका पादुकोण का बाहर होना और संदीप रेड्डी वांगा का हैरान करने वाला पोस्ट इस वक्त फिल्मी गलियारों में हॉट टॉपिक बना हुआ है। इस बीच दीपिका ने एक हालिया इवेंट में बैलेंस और खुशी को लेकर बड़ा बयान दिया है जो उनके हालिया विवाद की ओर इशारा करता है। दरअसल, स्पिरिट के विवाद के बीच दीपिका पादुकोण पहली बार एक फैशन इवेंट में शामिल हुईं जहां उन्होंने अपने खूबसूरत लुक से हर किसी को मदहोश कर दिया। अब इस इवेंट से एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें कल्कि अदाकारा ने बैलेंस को लेकर अपना बयान दिया है। दीपिका पादुकोण ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में एक्ट्रेस ने कहा, मैं तब कामयाब होती हूं जब मैं अपनी इक्वेलिटी और बैलंस पा लेती हूं। जब मैं अपने सबसे ऑथेंटिक वर्जन को महसूस करती हूं। इस दौरान वह रेड आउटफिट और डायमंड ज्वेलरी में स्टनिंग लग रही हैं। उन्होंने अपने मेकअप न्यूड रखा है। ओवरऑल वीडियो में दीपिका अपनी खूबसूरती बिखेर रही हैं। दीपिका पादुकोण संदीप रेड्डी वांगा की अपकमिंग फिल्म स्पिरिट में प्रभास के अपोजिट कास्ट की गई थीं, लेकिन ऐसी खबर है कि ज्यादा सैलरी मांगने और 8 घंटे की शिफ्ट डिमांड के चलते उन्हें फिल्म से बाहर निकाल दिया गया जिसकी वजह से वह सुर्खियों में हैं। दीपिका की जगह स्पिरिट में तृप्ति डिमरी को कास्ट किया गया है। जब दीपिका को निकालने की खबर आई, उसी दिन तृप्ति की एंट्री का एलान कर दिया गया था। सिर्फ इतना ही नहीं, दीपिका पादुकोण के फिल्म से बाहर होते ही संदीप रेड्डी वांगा ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया था और बिना नाम लेते हुए आरोप लगाया था कि फिल्म से निकलने के बाद एक अदाकारा ने कहानी को लीक कर दिया है और उनसे कम उम्र की हीरोइन (तृप्ति) को नीचा दिखाने की कोशिश की गई। एक रिपोर्ट में बताया गया कि स्पिरिट एक ए-रेटेड मूवी है जिसमें हीरो-हीरोइन के बीच बोल्ड सीन्स हैं।

अब 27 जून को रिलीज होगी सोनाक्षी सिन्हा की निकिता राय

बॉलीवुड | मसाला

हॉरर और रोमांटिक फिल्मों के बाद अब सोनाक्षी सिन्हा एक थ्रिलर ड्रामा लेकर आ रही हैं जो आज यानी 30 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। यह फिल्म है निकिता रॉय जिसका निर्देशन कोई और नहीं बल्कि सोनाक्षी के भाई कुश सिन्हा कर रहे हैं। निकिता रॉय एक साइकोलॉजिकल सस्पेंस थ्रिलर मूवी है, जिसमें सोनाक्षी सिन्हा मुख्य भूमिका में हैं। वही निकिता का किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। पिछले महीने यानी अप्रैल में अनाउंस किया गया था कि यह थ्रिलर ड्रामा 30 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, लेकिन अब इसकी रिलीज डेट टाल दी गई है।

जी हां, निकिता रॉय को एक महीने के लिए टाल दिया गया है। हाल ही में, सोनाक्षी सिन्हा ने एक पोस्ट के जरिए फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान किया है। एक्ट्रेस ने अपनी फिल्म का पोस्टर शेय किया है जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है, अपने कैलेंडर को मार्क कर लो। हमारी रोमांचक थ्रिलर 'निकिता रॉय' की अब नई रिलीज डेट आ गई है। कुश सिन्हा निर्देशित निकिता रॉय अब बड़े पर्दे पर सस्पेंस का तड़का नई तारीख पर लगाती हुई नजर आएगी। यह फिल्म दुनियाभर के सिनेमाघरों में 27 जून 2025 को रिलीज की जाएगी। सोनाक्षी सिन्हा के अलावा निकिता रॉय में परेश रावल अर्जुन रामपाल और सुहैल नैय्यर अहम भूमिका में हैं। कुश सिन्हा फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं, जबकि इसे निक्की विक्की भगनानी फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। निकिता रॉय के अलावा जून में ही उनकी आगामी फिल्म हरी हरा वीरा मल्लू पार्ट 1 में भ नजर आएंगी। यह एक तेलुगु ऐतिहासिक एक्शन एडवेंचर ड्रामा है, जिसमें पवन कल्याण अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म 12 जून को रिलीज होगी। इसके बाद वह सुधीर बाबू स्टारर मूवी जटाधारा में भी नजर आएंगी।

जॉनी लीवर ने दी परेश रावल को हेराफेरी-3 करने का सुझाव

हेराफेरी 3 इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई है। इस फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार था। मगर परेश रावल ने फिल्म छोड़कर सभी को चौंका दिया है। इस पर फैंस तो टेंशन में हैं ही, सेलेब्स को भी लग रहा है कि परेश रावल के बिना फिल्म में मजा नहीं आने वाला है। जॉनी लीवर को हेरा फेरी फ्रेंचाइजी का हिस्सा रह चुके हैं उन्होंने परेश रावल की एग्जिट पर रिएक्ट किया है।

जॉनी लीवर का मानना है कि परेश रावल को अपने फैसले के बारे में एक बार फिर सोच लेना चाहिए क्योंकि उनके बिना फिल्म में मजा नहीं आएगा। जॉनी लीवर का रिएक्शन वायरल हो रहा है।

टाइम्स नाओ को दिए इंटरव्यू में जॉनी लीवर ने परेश रावल के फिल्म छोड़ने के बारे में बात की। उनका कहना है कि परेश रावल को टीम के साथ बैठकर मामले को सुलझाना चाहिए क्योंकि फैन उन्हें फिल्म में मिस करेंगे। उन्होंने कहा- मुझे लगता है उन्हें कर लेना चाहिए फिल्म। बैठकर बात करें, मैटक सॉल्व करें क्योंकि फैंस बहुत मिस करेंगे परेशजी को फिल्म में, मजा नहीं आएगा ना वैसे उनके बिना। तो बात करके सॉल्व कर लेना चाहिए। मेरी नजर में तो ये ही सही है।

बता दें 18 मई को पोस्ट शेयर करके परेश रावल ने हेरा फेरी 3 छोड़ने का कंफर्म किया था। उन्होंने लिखा था कि वो क्रिएटिव डिफरेंस की वजह से फिल्म नहीं छोड़ रहे हैं। जिसके बाद अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस ने उन्हें 25 करोड़ के हर्जाने का नोटिस भेजा है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी थी। तीनो एक्टर ने प्रोमो भी शूट कर लिया था। हाउसफुल 5 के ट्रेलर लॉन्च पर अक्षय कुमार से परेश रावल के हेरा फेरी 3 छोड़ने को लेकर बात की थी। इस पर उन्होंने कहा था- जो कुछ भी है लेकिन ये सही जगह नहीं है जो मैं इस बारे में बात करूं। जो कुछ भी हुआ है वो सीरियस मामला है। कोर्ट इस मामले को देखेगी। मुझे नहीं लगता कि इस जगह मुझे इस बारे में बात करनी चाहिए।

अजब-गजब | यहां आज तक नहीं बरसी एक बूंद तक

दुनिया का ऐसा गांव, जहां कभी नहीं होती बारिश

हमारी पृथ्वी पर अनगिनत रहस्यमयी स्थान हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जहां कभी बारिश नहीं होती। इसकी वजह जाकर यकीनन आप हैरान रह जाएंगे। वैसे तो दुनिया के हर कोने में बारिश होती है फिर चाहे वह कम हो या ज्यादा। लेकिन हम जिस स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं वहां कभी बारिश नहीं होती।

दरअसल, यमन में अल-हुतैब नाम के एक गांव है जहां कभी बारिश नहीं होती ये गांव यमन की राजधानी सना के पश्चिम में मनख के निदेशालय के हरज क्षेत्र में स्थित है। यहां अक्सर पर्यटक आते रहते हैं और शानदार नजारों का लुत्फ उठाते हैं। वैसे तो लगभग सभी गांवों में बारिश होती है, शायद ही आपने कभी ऐसे गांव के बारे में सुना होगा जहां कभी बारिश नहीं होती है। लेकिन यमन का अल-हुतैब गांव दुनिया का एक ऐसा एक मात्र गांव है जहां कभी बारिश नहीं होती।

इस गांव में पहाड़ों की चोटी पर भी इतने खूबसूरत घर बनाए हुए हैं, जिसे लोग देखते ही रह जाते हैं। यह गांव पृथ्वी की सतह से 3,200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। गांव के चारों ओर का वातावरण वास्तव में काफी गर्म है। हालांकि सर्दियों के दौरान सुबह के समय वातावरण बहुत ठंडा होता है, लेकिन जैसे ही

सूरज उगता है, लोगों को गर्मियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण और शहरी विशेषताओं के साथ प्राचीन और आधुनिक वास्तुकला दोनों को जोड़ने वाला यह गांव अब 'अल-बोहरा या अल-मुकरमा' लोगों का गढ़ है। इन्हें यमनी समुदाय कहा जाता है। ये मुहम्मद बुरहानुद्दीन के नेतृत्व वाले इस्माइली (मुस्लिम) संप्रदाय से आते हैं, जो मुंबई में रहते थे। साल 2014 में अपनी मृत्यु तक हर तीन साल में वो इस गांव का दौरा करते थे। इस गांव की सबसे खास बात ये है कि यहां कभी बारिश नहीं होती। क्योंकि ये गांव बादलों के ऊपर बसा हुआ है। बारिश करने वाले बादल इस गांव के नीचे ही बनते हैं। जिसकी वजह से गांव से निचले इलाकों में तो बारिश होती है लेकिन गांव में एक बूंद भी नहीं गिरती। यहां का नजारा ऐसा है, जैसा शायद ही आपने कभी कहीं देखा होगा।

इस रहस्यमयी गांव में 40 साल से नहीं गूंजी किलकारी, कहानी चौंका देगी

मध्य प्रदेश के सीधी जिले में घने जंगलों के बीच एक अद्भुत गांव है। अद्भुत इसलिए, क्योंकि यहां पिछले 40 साल से किसी बच्चे की किलकारी नहीं गूंजी, मतलब किसी बच्चे का जन्म ही नहीं हुआ। जिला मुख्यालय से करीब 90 किलोमीटर दूर भुईमाड़ क्षेत्र का हाराई गांव अपनी रहस्यमयी मान्यता को लेकर चर्चा में रहता है। इस गांव में खैरवार समाज के लोग निवास करते हैं। मान्यता है कि गांव की ग्राम देवी अंगरा देवी की नाराजगी के कारण गांव में संतान जन्म नहीं लेती। गांव में रहने वाले 80 वर्षीय छोटेलाल सिंह बताते हैं कि खैरवार समाज के पूर्वज छत्तीसगढ़ से देवी को चुराकर लाए थे। गांव के एक पुराने पीपल के पेड़ में उनकी स्थापना की गई थी। वर्षों तक देवी की पूजा और बंदूक की सलामी होती रही, लेकिन जब शासन द्वारा ग्रामीणों से बंदूकें वापस ली गईं, तब से देवी नाराज हो गईं। परिणामस्वरूप, गांव में संतान उत्पत्ति पर जैसे विराम लग गया। इसके बाद कई अधिकारी आते रहे और जाते रहे, लेकिन इस गांव की समस्या का हल आजतक नहीं निकला। गांव के बुजुर्गों का कहना है, पिछले 40 साल से खैरवार समाज के किसी भी दंपति को संतान नहीं हुई। प्रशासन ने इस रहस्य को सुलझाने के कई प्रयास किए। पूर्व कलेक्टर पंकज कुमार ने ग्रामीणों की मांग पर एक ग्रामीण को बंदूक दिलवाई, ताकि देवी को सलामी दी जा सके। पूजा और सलामी के बाद एक अजीब घटनाक्रम देखने को मिला, जो लोग गांव छोड़कर दूसरे गांवों में बस गए, उन्हें संतान प्राप्त होने लगी, लेकिन हाराई गांव में आज भी ये समस्या जस की तस बनी है। ग्रामीण लाल बहादुर सिंह ने कहा, हमारे पूर्वजों की गलती का खामियाजा आज तक हमारी पीढ़ी भुगत रही है। अब हम चाहते हैं कि ग्राम देवी का भव्य मंदिर बने ताकि उनकी नाराजगी दूर हो। सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने कहा, बंदूक और बच्चों का कोई वैज्ञानिक संबंध नहीं है, लेकिन ग्रामीणों की आस्था को देखते हुए शासन स्तर से जो संभव होगा, किया जाएगा।

भाजपा की बातों में ना आएं आप को वोट दें: केजरीवाल

लुधियाना पश्चिमी उपचुनाव को लेकर सियासत गर्म

» आप संयोजक बोले- मोदी की रगों में सिंदूर का पता नहीं, संजीव के रगों में दौड़ता है लुधियाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। लुधियाना पश्चिमी उपचुनाव को लेकर लगातार तापमान गर्म होता जा रहा है। आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इससे पहले एक रोड शो निकाला गया। रोड शो में आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के साथ दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान मौजूद रहे। इनके अलावा आप पंजाब प्रधान अमन अरोड़ा और कैबिनेट के सभी मंत्री भी पहुंचे थे। इस दौरान आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने विपक्षी पार्टियों को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि उनकी रगो में सिंदूर दौड़ता है।

उनका तो पता नहीं सिंदूर दौड़ता है कि नहीं बल्कि आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की रगो में लुधियाना जरूर दौड़ता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि आप को वोट दे पंजाब में आप की सरकार है और आप का ही एमएलए होगा तो ज्यादा अच्छा होगा। काम उतनी तेजी से होंगे और साथ ही साथ पहल के आधार पर होंगे। काम तो आप की सरकार ने ही कराने हैं। रोड शो आरती चौक से शुरू हुआ और घुमारमंडी चौक पर खत्म हुआ। जहां से केजरीवाल, आतिशी और भगवंत सिंह मान वापस लौट गए।

भाजपा को नहीं मिल रहा कोई उम्मीदवार: अमन

आप पंजाब प्रधान अमन अरोड़ा ने कहा आज लोगों ने रोड शो में आप का भरपूर साथ दिया। इससे साफ जाहिर होता है कि जीत आप की सुनिश्चित है। विपक्ष कई दावे कर रहा है लेकिन लुधियाना के लोग विकास कार्यों को देखते हुए वोट देंगे। भाजपा की बात की जाए तो उन्हें तो अभी उम्मीदवार भी नहीं मिल रहा। जिस कारण उनकी हालत पतली है। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा लुधियाना के लोगों ने स्पष्ट रूप से संदेश दिया है कि इस बार आम आदमी पार्टी पुराने सभी रिकार्ड तोड़कर नए रिकॉर्ड बनाएगी। उपचुनाव में जीत आम आदमी पार्टी की होगी। रोड शो में बढ़-चढ़कर लोग पहुंचे हैं। लोगों का भरपूर समर्थन पार्टी को मिला है।

2027 में आप की वापसी तय: अरोड़ा

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पार्टी ने आज सड़क पर रोड शो में जगह-जगह पौधे लगाए हैं। लोगों से अनुरोध है कि 19 जून को झाड़ू का बटन दबाएं। आम आदमी पार्टी को लोगों के समर्थन और प्यार की जरूरत है। आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने कहा आज लोगों का बहुत प्यार मिला है। लोगों का हुजूम रोड शो में था। इस चुनाव को यदि 2027 का चेहरा माना जा रहा है तो हमारी 2027 में वापसी अब तय है।

अहंकारी हैं आशू

केजरीवाल ने कहा कि 2022 विधानसभा चुनाव में पंजाब के लोगों ने आप को जमकर वोट दिया था। 117 में से 92 सीट थी, आज तक पंजाब में किसी पार्टी को इतना समर्थन नहीं मिला। लुधियाना वेस्ट में जो पहले विधायक आशु रहे हैं, उसके गुरुर और अहंकार के खिलाफ आपने गोगी को वोट दिया था। आज गोगी हमारे बीच नहीं रहे। आशु अभी भी गालियां दे रहा है और आगे भी देता रहेगा। जिसकी सरकार, उसी का विधायक बनाना, ताकि आपके काम होते रहें। गुस्सा और अहंकार चाहिए तो उसे वोट दे देना, काम चाहिए तो संजीव अरोड़ा को वोट देना।

बीजेपी ने छत्तीसगढ़ को बना दिया कॉरपोरेट घरानों का चारागाह: दीपक बैज

» कांग्रेस नेता बोले- प्रदेश में बढ़ रहे अवैध खनन के कई मामले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जल, जंगल, जमीन, खनिज संसाधनों को बचाने के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी का चार दिवसीय न्याय पदयात्रा दंतेवाड़ा कलेक्ट्रेट घेराव के साथ संपन्न हुई। 26 से 29 मई तक किरंदुल से दंतेवाड़ा तक 40 किलोमीटर की पदयात्रा निकाली गई। इस दौरान पीसीसी चीफ दीपक बैज ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार की आने के बाद से छत्तीसगढ़ के संसाधनों को निजी हाथों में सौंप दिया गया। विष्णुदेव साय की सरकार ने छत्तीसगढ़ को एक बार फिर कॉरपोरेट घरानों का चारागाह बना दिया है।

उन्होंने कहा कि अवैध खनन के कई मामले सामने आ रहें हैं और इस प्रकार से भविष्य में भी कई मामले होने की आशंका है। इन्हीं मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने 4 दिन की पदयात्रा निकाली। बस्तर की चार ब?ी लौह अयस्क खदानें निजी पूंजीपतियों को इसमें से 2 खदानें बैलाडीला 1ए और बैलाडीला 1बी की खदान आर्सेलर मित्तल को 50 साल के लिए लीज पर दे दिया। बैलाडीला 1 सी खदान रूंगटा स्टील को 50 सालों के लिए दिया गया। कांकेर जिले के हाहालादी खदान सागर स्टोन को 50 साल के लिए दे दिया गया है। यह शुरुआत है इसके बाद बस्तर के सभी बहुमूल्य खनिज संपदा को अडानी को सौंपने की तैयारी की जा रही है। अडानी के लिए बस्तर में रेड कारपेट बिछाया जा रहा।

मुंबई क्वालिफायर-2 में पंजाब से भिड़ेगी

» आईपीएल में गुजरात टाइटंस का सफर खत्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस को 20 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ हार्दिक पांड्या के नेतृत्व वाली टीम क्वालिफायर-2 में पहुंच गई है। अब उसका सामना एक जून को अहमदाबाद में पंजाब किंग्स से होगा। चंडीगढ़ में खेले गए एलिमिनेटर मैच में मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 228 रन बनाए। जवाब में गुजरात निर्धारित ओवरों में छह विकेट खोकर सिर्फ 208 रन बना पाई। उनके लिए साई सुदर्शन ने 80 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल सिर्फ एक रन बना पाए।

इससे पहले, रोहित शर्मा और जॉनी बेयरस्टो की सलामी जोड़ी ने मुंबई को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 84 रनों की साझेदारी हुई। इस मैच में रोहित शर्मा ने 28 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके अलावा उन्होंने आईपीएल में 300 छक्के भी पूरे कर लिए। वह आईपीएल में 300 छक्के का आंकड़ा छूने वाले पहले सक्रिय खिलाड़ी बन गए। अब उनके नाम 302* छक्के दर्ज हो गए हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम दर्ज है।

रोहित 300 छक्के लगाने वाले बने पहले बल्लेबाज

करुण नायर दोहरे शतक के करीब

कैंटरबरी। करुण नायर और सरफराज खान की शानदार पारियों की मदद से भारत ए ने पहले अनौपचारिक टेस्ट के शुरुआती दिन इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 400 रनों का आंकड़ा पार कर लिया है। करुण और सरफराज ने तीसरे विकेट के लिए 181 रनों की साझेदारी की जिससे भारत ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में तीन विकेट पर 409 रन बना लिए हैं। स्टंप के समय करुण 246 गेंदों पर 24 चौके और एक छक्के की मदद से 186 और ध्रुव जुरेल 104 गेंदों पर नौ चौकों और एक छक्के की मदद से 82 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। करुण नायर शतक लगाने में सफल रहे, जबकि सरफराज खान इससे चूक गए हैं। भारत ए के लिए यशस्वी अच्छी लय में नजर आ रहे थे और करुण नायर के साथ साझेदारी बनाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन एडी जैक ने उन्हें जेम्स रियू के हाथों कैच कराकर आउट किया।

राष्ट्रपति भवन में गूंजी अहिल्याबाई की दास्तान

» शहर के दास्तानगो हिमांशु बाजपेयी और प्रज्ञा शर्मा ने सुनायी दास्तान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देवी अहिल्याबाई होलकर की तीन सौवीं जयंती के अवसर पर शहर के मशहूर दास्तानगो डॉ हिमांशु बाजपेयी और डॉ प्रज्ञा शर्मा ने राष्ट्र पति भवन में दास्तान ए अहिल्या सुनायीद्ध गत 29-30 मई को राष्ट्रपति भवन, संस्कृति मंत्रालय एवं साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में एक साहित्यिक सममिलन आयोजित किया गया था, जिसका विषय था- कितना बदल गया है साहित्य? सम्मिलन का शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया। इस सम्मिलन की सांस्कृतिक संध्या के तौर पर अहिल्याबाई के जीवन पर केंद्रित दास्तानगोई प्रस्तुत की गई।

कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रपति भवन कल्चरल सेंटर में हुआ। दास्तानगोई की शुरुआत राघोबा की पत्नी आनंदी बाई के उस प्रसंग से होती है जहाँ वो अपनी दासी को अहिल्याबाई की मक़बूलियत का राज़ जानने को भेजती हैं। दासी उनको बताती है कि अहिल्या बाई बेहद सादा ज़िंदगी गुज़ारती हैं, ना ज़ेवर ना कोई तड़क भड़क मगर उनकी महान सोच और कल्याणकारी कामों की वजह से ही वो इतनी मशहूर हैं। इसके बाद अहिल्या बाई के मल्हार राव होलकर से भेंट और होलकर वंश की बहू बनने और विधवा होने का प्रसंग सुनाया। सती प्रथा के उस दौर में अपनी प्रजा की खातिर अहिल्याबाई ने खुद को सती होने से रोक लिया और खुद को जनहित के कार्यों में लगा दिया। उनके इंसाफ़ का किस्सा बहुत मशहूर था. उन्होंने न्याय के लिए अपने बेटे माले राव को मृत्युदंड की सज़ा सुनायी थी क्यूंकि उनके बेटे ने एक बछड़े को रथ से कुचल कर मार डाला था। दास्तान में बताया गया कि देवी अहिल्या सिर्फ़ धार्मिक क्षेत्र में ही लगनशील नहीं थीं बल्कि युद्ध कला में भी माहिर थीं। उन्होंने तीन बार रामपुरा के चन्द्रावत को हराया।

हिमांशु और प्रज्ञा जगह-जगह सुनाना चाहते हैं दास्तां

हिमांशु बाजपेयी और प्रज्ञा शर्मा ने अंत में कहा कि वो ये दास्तान लोकमाता को याद करते हुए जगह-जगह सुनाना चाहते हैं। दास्तानगोई के श्रोताओं में साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक, सचिव श्रीनिवास राव, कवि अरुण कमल, अशोक चक्रधर, लक्ष्मी शंकर बाजपेयी, राजशेखर व्यास समेत तमाम गणमान्य लोग मौजूद थे।

उप लोकायुक्त ने मंत्री नंद गोपाल नंदी से मांगा जवाब

» आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की थी शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर की शिकायत पर औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी तथा उनके अफसरों पर ट्रांसफर पोस्टिंग में गड़बड़ी के संबंध में लगाए गए आरोपों का संज्ञान लेते हुए मंत्री नंद गोपाल नंदी से 10 जून तक जवाब मांगा है।

शिकायत में कहा गया था कि मंत्री ने विधान परिषद में विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि 2023-24 में जिन 12 वरिष्ठ पदों पर ट्रांसफर हुए, उनमें 5 अफसर, सी के मौर्य, विनोद कुमार, अजय दीप सिंह, प्रदीप कुमार सत्यार्थी तथा शर्मिला पटेल पर सतर्कता जांच सहित अन्य गंभीर आरोप थे।

ऑपरेशन सिंदूर पर नहीं थम रहे बयान, मचा घमासान

» मोदी सरकार पर विपक्ष का हमला जारी
» बीजेपी की विदेश नीति फेल : पवन खेड़ा
» कांग्रेस बोली- किसी भी देश ने भारत का समर्थन नहीं किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने भारत की विदेश नीति को लेकर बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस का कहना है कि सरकार ऑपरेशन सिंदूर को ठीक से नहीं संभाल पाई। इससे देश की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सरकार पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकार की विदेश नीति फेल हो गई है। इसका असर ऑपरेशन सिंदूर के बाद दिखा। किसी भी देश ने पाकिस्तान को आतंकवादी देश नहीं कहा। यह सरकार की विदेश नीति की नाकामी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में एक भाषण दिया था। इसमें उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया था।

उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर को कैमरे में रिकॉर्ड किया गया है। ताकि कोई भी सबूत न मांगे। मोदी ने कहा था, अभी तक हम जिसे प्रॉक्सी वॉर कहते थे, 6 मई के बाद जो दृश्य देखे गए, उसके बाद हम इसे प्रॉक्सी वॉर कहने की गलती नहीं कर सकते। उन्होंने यह भी कहा कि जिन आतंकवादियों को मारा गया, उन्हें पाकिस्तान में सैन्य सम्मान दिया गया।

रूस भी पाकिस्तान को सपोर्ट कर रहा है

पवन खेड़ा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद किसी भी देश ने भारत का साथ नहीं दिया। अब कुवैत ने पाकिस्तान पर लगे वीजा प्रतिबंध हटा दिए हैं। ईरान, यूएई और खाड़ी देश पाकिस्तान के साथ समझौते कर रहे हैं। रूस ने भी पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत रूस पाकिस्तान के पुराने स्टील मिल को फिर से शुरू करने में मदद करेगा। रूस पाकिस्तान को 2.6 बिलियन डॉलर देगा। यह सब सरकार की गलत विदेश नीति का नतीजा है।

इससे पता चलता है कि पाकिस्तान सीधे तौर पर आतंकवाद में शामिल है।

कांग्रेस ने पूछा-हाफिज सईद को क्यों नहीं मारा गया

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने पूछा है कि हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे बड़े आतंकवादियों को क्यों नहीं मारा गया। खेड़ा ने कहा, आज तक हमें इस सवाल का जवाब नहीं मिला है कि पूंछ, गांदरबल, गुलमर्ग और पहलगाम के आतंकवादियों का क्या हुआ? हाफिज सईद और मसूद अजहर कैसे बच गए? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने विदेश नीति और राजनीतिक बातें ट्रोल करने वालों के हाथों में दे दी हैं।

पाकिस्तान को सबक सिखाने का है मौका : रजनी

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी और सांसद रजनी पाटिल ने कहा कि शिमला समझौता रद्द करने वाले पाकिस्तान को सबक सिखाने का मौका है। इस मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए। यह समय देश की एकता के लिए एक साथ खड़े होने का है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के निर्देशों पर सेना के पराक्रम और शौर्य को नमन करने के लिए जय हिंद सभाएं की जा रही हैं।

कांग्रेस ने देश के लिए दिए बलिदान, भाजपा सेना का ले रही श्रेयः सुक्खू

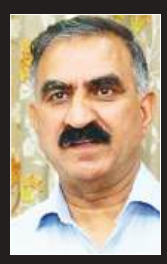

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि कांग्रेस ने देश की एकता और अखंडता के लिए बलिदान दिए हैं। वहीं, भाजपा के नेता ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना का श्रेय ले रहे हैं। शुक्रवार को शिमला के पीटरहॉफ में भारतीय सेना के पराक्रम और शौर्य को नमन करने के लिए आयोजित जय हिंद सभा में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने ये बातें कहीं। कार्यक्रम में पाकिस्तान से लड़ाई लड़ने वाले वीरों व प्राण न्योछावर करने वाले 52 सेना नायकों के परिजन को सम्मानित किया गया।

सीएम सुक्खू ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दोनों देशों के बीच सीजफायर करवाना दुखद था। मुख्यमंत्री ने शिमला समझौते का पालन न होने पर केंद्र सरकार को घेरा। मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर बांग्लादेश बनाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की नीतियों को सराहा। उन्होंने वर्ष 1962, 1965, 1971, कारगिल और ऑपरेशन सिंदूर के तहत लड़ने वाले वीरों और प्राण न्योछावर करने वाले सेना नायकों के परिजनों को सम्मानित किया।

सीजफायर ने खोली केंद्र सरकार की विदेश नीति की पोल : अजय माकन

अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कोषाध्यक्ष और सांसद अजय माकन ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीजफायर ने केंद्र सरकार की विदेश नीति की पोल खोल कर रख दी है। कांग्रेस सरकारों में भी सर्जिकल स्ट्राइक होती थी लेकिन, हमने कभी भी इसका श्रेय नहीं लिया। 1971 के युद्ध के समय अमेरिका के अलावा पूरा विश्व भारत के साथ खड़ा था। आज कोई भी देश भारत के समर्थन में नहीं है। माकन ने कहा कि आईएमएफ के माध्यम से पाकिस्तान को 20 हजार करोड़ रुपये का ऋण दिया गया है। विश्व के 25 देश इस ऋण को देने के लिए मंजूरी देते हैं। पाकिस्तान के लिए यह ऋण मंजूर होना, भारत की विदेश नीति पर सवाल खड़े कर रहा है। इस ऋण से पाकिस्तान सैन्य हथियार खरीदकर भारत के खिलाफ प्रयोग करेगा। माकन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभी तक पहलगाम और पुंछ दौरा नहीं होने पर भी सवाल उठाए।

डोनाल्ड भाई के दावे का प्रधानमंत्री मोदी कब जवाब देंगे : जयराम रमेश

कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाने का दावा फिर किए जाने पर शनिवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि "डोनाल्ड भाई" ने 21 दिन में 11 बार यह बात की है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस पर कब जवाब देंगे। ट्रंप ने शुक्रवार को फिर कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम कराया क्योंकि यह संघर्ष परमाणु तबाही का रूप ले सकता था। बाद में शुक्रवार को ही उन्होंने दो बार और यही दावा किया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "21 दिनों में यह 11वीं बार है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के परम मित्र और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि पाकिस्तान के साथ युद्धविराम कैसे हुआ। प्रधानमंत्री कब बोलेंगे?" रमेश ने कहा, "डोनाल्ड भाई वही बात दोहराते रहते हैं कि कैसे उन्होंने चार दिवसीय भारत-पाकिस्तान युद्ध को रुकवाया, अमेरिकी हस्तक्षेप और परमाणु खतरे को रोकने के लिए व्यापार रूपी हथियार का उपयोग किया। भारत और पाकिस्तान की बराबरी की बात एक बार फिर दोहराई गई।" उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के वाणिज्य मंत्री ने 23 मई को न्यूयॉर्क स्थित अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में बिलकुल यही दावे किए हैं। रमेश ने कहा कि "डोनाल्ड भाई" के मित्र नरेन्द्र मोदी पूरी चुप्पी के साथ उनके दावों को नजरअंदाज करते रहे हैं।

महापौर की सेवा और समर्पण के 2 वर्ष पूरे

» कई योजनाएं शहर की सेवा में समर्पित
» नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने लखनऊ नगर निगम के कामों की सराहना की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महापौर के तौर सुषमा खर्कवाल के सेवा और समर्पण के 2 वर्ष हुए पूरे होने पर एक भव्य कार्यक्रम मनाया गया है। इस अवसर पर नगर विकास मंत्री ए के शर्मा ने लखनऊ नगर निगम के कामों की सराहना की। इस अवसर पर महापौर ने अपनी दो साल की उपलब्धियां गिनाईं।

उन्होंने कहा मोहान स्थित शिवरी प्लांट में जो कूड़े का अंबार लगा था जिससे पूरे गांव में गंदगी से परेशान वहां की जनता रहती थी। इसको नगर निगम पूर्व नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह अपर नगर आयुक्त अरविंद कुमार राव ने जो हटाने का काम किया। उसकी जितनी सराहना की जाए कम है जनता को राहत देने का काम किया है जिससे आज वहां की जमीन की कीमत बढ़ी साथ ही स्वच्छता की ओर शिवरी प्लांट बढ़ा। महापौर ने बताया 2वर्ष पूरे होने पर शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाया जाएगा जनता के लिए और बेहतर सुविधाएं देने का काम करेंगे।

इंद्रजीत सिंह व अशोक सिंह सम्मानित

ईमानदार नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने कूड़े के निस्तारण व शहर को स्वच्छ बनाने में अहम कदम उठाया था इसलिए पूर्व नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह को याद किया गया। नगर मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह को नगर विकास मंत्री ए के शर्मा ने सम्मानित किया।

कई अधिकारियों का हुआ सम्मान

नगर निगम गृहकर वसूली को लेकर नगर निगम जोन 8 के जोनल अधिकारी अजीत राय को भी सम्मानित किया गया। नगर निगम जोन 8 गृहकर वसूली के पहला स्थान पर रहा वही जोन 4 के जोनल अधिकारी संजय यादव को भी सम्मानित किया गया। जोन 4 में गृहकर वसूली को लेकर मिला सम्मान जलकल के अधिशाषी अभियंता उत्कर्ष राय को भी सम्मानित किया गया।

गरीबों को प्रभावित करने वाली नीतियों पर राज्यों के साथ पूर्व परामर्श की जाए : स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने स्वर्ण ऋण पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मसौदा निर्देशों पर उठाई गई चिंताओं पर केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया का स्वागत किया और गरीबों को प्रभावित करने वाली नीतियों पर राज्यों के साथ पूर्व परामर्श की आवश्यकता दोहराई।

स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह जानकर खुशी हुई कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ने स्वर्ण ऋण पर आरबीआई के मसौदा दिशानिर्देशों के संबंध में माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री को लिखे मेरे पत्र में उठाई गई चिंताओं का जवाब दिया है। उन्होंने आगे कहा कि छोटे उधारकर्ताओं, विशेषकर 2 लाख रुपये से कम ऋण लेने वाले किसानों और दैनिक कमाने वालों के हितों की रक्षा करना तथा समय पर और सुलभ ऋण सुनिश्चित करना मेरी लगातार मांग रही है।

कोरोना के देशभर में 2700 से अधिक सक्रिय केस

» सात लोगों की गई जान, दिल्ली में कोरोना से पहली मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 2700 के पार पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि 30 मई तक देश भर में 2710 मामले दर्ज किए गए हैं। दिल्ली में कोरोना के नए वेरिएंट के कारण पहली मौत हुई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आंकड़ों के मुताबिक, इस साल दिल्ली में कोरोना से यह पहली मौत हुई है। राजधानी में 56 नए मामले पिछले 24 घंटे में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली में कोरोना के कुल 294 सक्रिय मामले हो गए हैं। बताया जा रहा है कि दिल्ली में कोरोना से जिस मरीज की मौत हुई है वह पहले से कई बीमारी से पीड़ित था। कोविड के बाद संक्रमण बढ़ा। समस्या बढ़ने के बाद मौत हुई है। नए वेरिएंट का असर हल्का है। लेकिन गंभीर रोगी और कमजोर इम्यूनिटी के रोगी पर असर कर रहा है। दिल्ली में जिस तरह से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं, वह डराने वाला है। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि डरने की जरूरत नहीं है।

गाजियाबाद में कोरोना के पांच नए केस मिले

गाजियाबाद जिले में कोरोना के पांच नए मरीज मिले हैं। जिसके बाद पूरे जिले में सक्रिय मरीजों की संख्या 19 हो गई है।

हादसों का शनिवार, रफ्तार ने ली नौ की जान

हरदोई में बेकाबू होकर पलटी कार, छह की मौत, गोरखपुर में तीन काल के गाल में समाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरदोई। हरदोई जिले में शाहाबाद कोतवाली में दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। यहां शादी समारोह से लौटते समय कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार, पाली से मझिला थाना क्षेत्र के कुसुमा गांव बरात गई थी।

सुबह तड़के बरात से वापस पाली आ रही एक कार आलमनगर मार्ग पर गाजीपुर के पास अनियंत्रित होकर पलट गई है। हादसे के दौरान कार में 11 लोग सवार थे। हादसा इतना भीषण था कि दो सगे भाइयों सहित पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। वहीं, एक घायल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पांच लोग घायल बताए जा रहे। वहीं वाराणसी हाईवे पर बड़हलगंज में शनिवार सुबह दर्दनाक हादसे में तीन युवकों की मृत्यु हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह सभी युवक एक ही गांव के रहने वाले थे और अपाचे बाइक से अपने घर सिधुआपार के गरथौली टोले की ओर लौट रहे थे। हादसे की जानकारी पर पुलिस व परिजन भी मौके पर पहुंच गए हैं। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। मृतकों में ये हैं शामिल-जितेंद्र (35) पुत्र रघुवीर। सिद्धार्थ (5) पुत्र जितेंद्र। आकाश (22) पुत्र रघुवीर। रामू (25) पुत्र विश्राम निवासी पाली (ड्राइवर)।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।